This question paper contains **2** printed pages]

JO—399—2023

FACULTY OF HUMANITIES

M.A. (NEP) (First Year) (First Semester) EXAMINATION

NOVEMBER/DECEMBER, 2023

हिन्दी

Paper–HHINE–501

(अस्मितामूलक विमर्श और हिन्दी साहित्य)

(Friday, 22-12-2023) **Time : 10.00 a.m. to 1.00 p.m.**

Time—3 *Hours* *Maximum Marks*—80

सूचना :— (*i*) प्रश्न क्रमांक **1** अनिवार्य है।

(*ii*) प्रश्न क्रमांक **2** से **6** में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखना आवश्यक है।

(*iii*) दाहिनी ओर प्रश्नों के पूर्णांक दिए गए हैं।

1. टिप्पणियाँ लिखिए (**सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।) : 20

(*i*) अस्मितामूलक विमर्श की अवधारणा

(*ii*) स्त्रीवादी विमर्श का स्वरूप

(*iii*) रूपनारायण का सामान्य परिचय

(*iv*) आदिवासी विमर्श की अवधारणा

(*v*) अनामिका का कृतित्व

P.T.O.

2. अस्मितामूलक विमर्श की वैचारिक पृष्ठभूमि को स्पष्ट कीजिए। 20

3. 'नागफणी' में व्यक्त दलित जीवन की त्रासदी को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 20

4. 'रेत समाधि' उपन्यास की कथावस्तु को विशद कीजिए। 20

5. वैश्वीकरण के परिप्रेक्ष्य में 'ग्लोबल गाँव के देवता' उपन्यास का विवेचन कीजिए। 20

6. स्त्री विमर्श को रेखांकित करते हुए मैत्रेयी पुष्पा के योगदान को स्पष्ट कीजिए। 20

610B89B07712F352AD6EACC8184AB03E